

॥ ओ३म् ॥

# युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—<http://www.facebook.com/groups/aryayouth/>

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

## दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली-110007, आई. एफ. एस.कोड - SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868051444 पर एस.एम.एस कर दें या 9958889970 पर Paytm कर दें। - अनिल आर्य

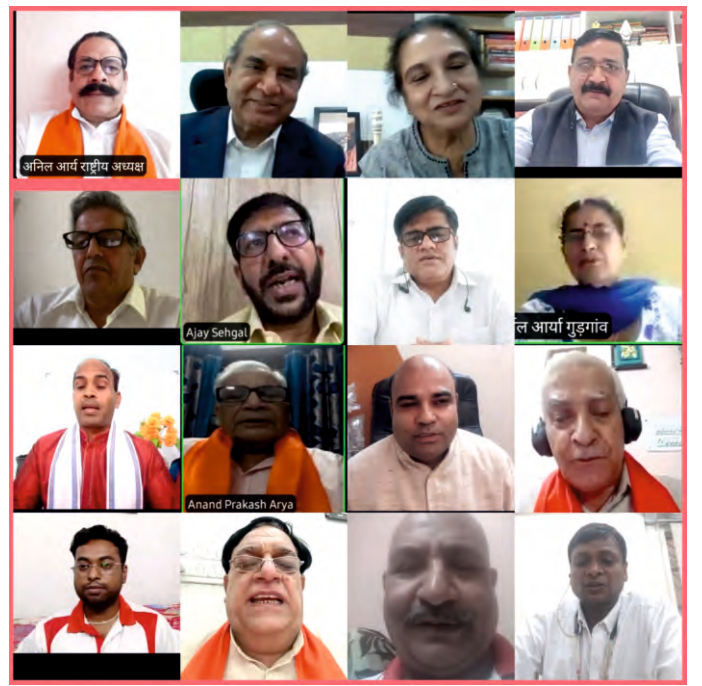
वर्ष-38 अंक-2 आषाढ़-2078 दयानन्दाब्द 198 16 जून से 30 जून 2021 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.  
 प्रकाशित: 16.06.2021, E-mail : [yuva.udghosh1982@gmail.com](mailto:yuva.udghosh1982@gmail.com) [aryayouthgroup@yahoo.com](mailto:aryayouthgroup@yahoo.com) Website : [www.aryayuvakparishad.com](http://www.aryayuvakparishad.com)

## केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 234वां वेबिनार सम्पन्न

# केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 44वां स्थापना दिवस सम्पन्न

महर्षि दयानंद जी के आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता – आनन्द चौहान (निदेशक, एमिटी शिक्षण संस्थान)  
 आर्य समाज जीवन जीने की कला सिखाता है – आर पी रघुवंशी (संपादक, चेतना मंच)  
 युवाओं में राष्ट्र निर्माण को और अधिक गति देंगे – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

वीरवार, 3 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का 44 वां स्थापना दिवस समारोह ऑनलाइन सोल्लास मनाया गया। कोरोना काल में यह परिषद् का 229वां वेबिनार था। मुख्य अतिथि एमिटी शिक्षण संस्थान के निदेशक आनन्द चौहान ने कहा कि मैं पिछले 36 वर्षों से आर्य युवक परिषद् के साथ जुड़ा हुआ हूँ। यह संस्था महर्षि दयानंद जी की विचारधारा को नई पीढ़ी में प्रेरित करने का सराहनीय कार्य कर रही है। महर्षि दयानंद जी के आदर्शों पर चलकर ही समाज व देश का नवनिर्माण हो सकता है। आर्य युवक परिषद् अनिल आर्य जी के नेतृत्व में युवा निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका शिविरों के माध्यम से कर रही है, जिसकी आज महती आवश्यकता है, इस पुनीत कार्य को और अधिक प्रचार प्रसार की आज आवश्यकता है। समारोह अध्यक्ष श्री आर.पी. रघुवंशी (निर्भीक, निष्पक्ष, संपादक, चेतना मंच, नोएडा) ने 229 वें वेबिनार में उपस्थित देश के कोने कोने से जुड़े लोगों को केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 44 वें स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने बताया कि वह बचपन से ही आर्य समाज से जुड़े हैं तभी से उनको वैदिक विचारधारा को सुनना, बोलना, प्रसारित करना, अति प्रिय है। उन्होंने बताया कि मान्य चौधरी चरण सिंह जी जो देश के प्रधानमंत्री रहे और नगर आर्य समाज गाजियाबाद के प्रधान पद को भी सुशोभित किया था। वे आर्य समाज को अपने जीवन में जीते थे, यानी पहनावे में, व्यवहार में, आचरण में, वैदिक विचारधारा से ओतप्रोत थे। आर्य समाज एक जीवन जीने का मार्ग है। हमारा देश के प्रति समाज के प्रति परिवार के प्रति क्या कर्तव्य है, बहुत अच्छे ढंग से आर्य समाज में बताया जाता है। उन्होंने एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार चौहान के प्रति भी प्रशंसा व्यक्त करते हुए बताया कि वह विश्व का सबसे बड़ा शिक्षण संस्थान चला रहे हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने गत 43 वर्षों की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि आज राष्ट्र भक्ति का जज्बा बढ़ाने की आवश्यकता है,



(शेष पृष्ठ 3 पर)

## अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल के 124 वें जन्मोत्सव पर कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि

बिस्मिल का बलिदान युवाओं के लिए सदैव प्रकाश पुंज रहेगा – राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य  
 बिस्मिल क्रांतिकारियों के सिरमौर थे – आर्य नेत्री गायत्री मीना

शुक्रवार, 11 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद पं. रामप्रसाद बिस्मिल के 124 वें जन्मोत्सव पर ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह कोरोना काल में 233 वां वेबिनार था। आर्य समाज सेक्टर 33 नोएडा की मंत्री गायत्री मीना ने कहा कि पं० रामप्रसाद बिस्मिल क्रांतिकारियों के सिरमौर रहे, उनसे प्रेरणा पाकर अनेकों नोजवान स्वतंत्रता-आंदोलन में कूद पड़े। अशफाक उल्ला खां और बिस्मिल की दोस्ती जगजाहिर थी एक कट्टर आर्य समाजी और एक कट्टर मुस्लिम, लेकिन राष्ट्र की बलिवेदी पर दोनों इकठ्ठे फांसी पर झूल गए इससे बड़ा सामाजिक समरसता का कोई ओर उदाहरण नहीं हो सकता। बिस्मिल ने देश की आजादी के लिए घर, परिवार सब छोड़ कर राष्ट्र के लिए सब कुछ होम कर दिया।  
 अध्यक्षता करते हुए आर्य नेत्री आशा आर्या ने कहा कि बिस्मिल की जीवनी पढ़ कर रोंगटे खड़े हो जाते हैं, वास्तव में उनके जीवन चरित्र को पाठ्यक्रम में पढ़ाने की आवश्यकता है जिससे नयी पीढ़ी उनके बलिदान से परिचित हो सके। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बिस्मिल के जीवन का कण कण राष्ट्र के लिए समर्पित था, उनका जीवन युवाओं के लिए सदैव प्रकाश पुंज का कार्य करेगा। देश का दुर्भाग्य है कि बिस्मिल जैसे क्रांतिकारियों को इतिहास से विस्मृत करने का षडयंत्र किया गया और एक ही परिवार की पूजा अर्चना की गई, छनकी तुर्बत पे नहीं एक भी दिया, जिनके खून से जले थे चिरागे वतन। आज महकते हैं मकबरे उनके जिन्होंने बेचे थे शहीदों के कफन। अनिल आर्य ने जोर देकर कहा कि यदि आजादी की रक्षा करनी है तो नई पीढ़ी को उनके त्याग, समर्पण, बलिदान से



(शेष पृष्ठ 2 पर)

## ईश्वर स्तुति प्रार्थना उपासना पर गोष्ठी सम्पन्न

आत्मिक उन्नति के लिए ईश्वर स्तुति आवश्यक —नरेन्द्र आहूजा विवेक  
ईश्वर भक्त कभी निराश नहीं होता —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

बुधवार 09 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईश्वर स्तुति, प्रार्थना व उपासना' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 232 वां वेबिनार था। हरियाणा के खाद्य एवं औषधि नियंत्रक और केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रान्तीय प्रभारी नरेन्द्र आहूजा विवेक ने अपनी चिर-परिचित प्रेरणादायी शैली में कहा की जिस भी पदार्थ का जो गुण, कर्म व स्वभाव है उसको वही जानना, समझना व जीवन में धारण करना उसकी स्तुति कहलाता है। उन्होंने उदाहरण के माध्यम से समझाया कि जैसे आर्य समाज के नियमों में ईश्वर को सर्वव्यापी बताया गया है किंतु हम उसके स्थान पर ईश्वर को कुछ और माने तो वह ईश्वर की स्तुति नहीं निंदा होगी। ईश्वर तो इस संसार के कण-कण में मौजूद हैं। ईश्वर जीवन में जब हमें कोई संकट देते हैं तो वह हमारे लिए ईश्वर की दयालुता ही है। वह कष्ट हमारे लिए वैकसीन का काम करते हैं ताकि आने वाले समय में अगर कोई बड़ी चुनौती आए तो हम उससे लड़ने में सक्षम हो सकें। आर्य समाज के दूसरे नियम से हम ईश्वर के सच्चे स्वरूप को जान सकते हैं। सामाजिक, सर्वहितकारी व परोपकारी कार्य को पूरा करने के लिए अपने पूर्ण पुरुषार्थ के बाद ईश्वर से शक्ति की कामना करना प्रार्थना कहलाता है। उपासना की विधि द्वारा हम ईश्वर से निकटता महसूस करते हैं। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ईश्वर भक्त विपरीत परिस्थितियों में कभी निराश नहीं होता। उन्होंने आर्य युवकों को वर्तमान के संघर्षपूर्ण समय में संस्कृति की रक्षा के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि आर्य नेता आर. पी. सूरी व आर्य समाज वृंदावन गार्डन साहिबाबाद के प्रधान कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि महर्षि दयानंद युगप्रवर्तक थे उन्होंने सही पूजा का मार्ग बताया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, बिंदु मदान, विजया लक्ष्मी, मृदुला अग्रवाल, दीप्ति सपरा, निर्मल विरमानी, रवीन्द्र गुप्ता आदि ने भजन सुनाये। प्रवीण आर्य द्वारा कार्यक्रम का समापन शांति पाठ से किया गया। आर्य नेता आनन्द प्रकाश आर्य, वेद भगत, सौरभ गुप्ता, वीरेन्द्र आहूजा, कमलेश हसीजा, ईश आर्य, नरेन्द्र सोनी हिसार आदि उपस्थित थे।



## पूर्व सांसद स्वामी इन्द्रवेश जी की 15वीं पुण्यतिथि पर किया नमन

स्वामी इन्द्रवेश जी धर्म और राजनीति का समन्वय थे —राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य  
सुखद गृहस्थ के लिए त्याग, समर्पण व नम्रता आवश्यक —योगाचार्य श्रुति विजय सेतिया

शनिवार 12 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आयोजित 233 वे वेबिनार में पूर्व सांसद स्वामी इन्द्रवेश जी की 15 वी पुण्यतिथि पर स्मरण किया गया और सुखद गृहस्थ के उपदेशक वेद पर योगाचार्य श्रुति सेतिया का उद्बोधन हुआ। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने स्वामी इन्द्रवेश जी को याद करते हुए कहा कि वह कर्मठ आर्य नेता व संघर्ष शील व्यक्ति थे, उन्हें धर्म और राजनीति का समन्वय कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगा। उन्होंने आर्य सभा नाम से राजनीतिक दल की स्थापना की साथ ही वैदिक धर्म का प्रचार प्रसार किया व आर्य युवा निर्माण के लिए अनेको शिविर लगाये। उन्होंने किसान आंदोलन, मजदूर आंदोलन, अध्यापक आंदोलन का भी नेतृत्व किया। उनका व्यक्तित्व सरल रहा सभी कार्यकर्ताओं से सरलतापूर्वक अपनेपन से मिलते थे यही उनकी लोकप्रियता का पैमाना था। उन्होंने राजधर्म पत्रिका का प्रकाशन भी किया। आज के राजनेताओं के लिए उनका जीवन आदर्श हो सकता है। योगाचार्य श्रुति सेतिया ने सुखद गृहस्थ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सुखी गृहस्थ जीवन के लिए त्याग, समर्पण व नम्रता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ईगो की समस्या के कारण आज परिवार बिखर रहे हैं। वेद जहां अध्यात्म, ईश्वर, जीव, प्रकृति, ज्ञान— विज्ञान आदि के गंभीर ज्ञान का प्रतिपादन करते हैं, वही यह गृहस्थ जीवन को सुखद संपन्न बनाने का उपदेश देते हैं। वेद ज्ञान— विज्ञान के आधार हैं। मनुष्य जीवन के संप्रेरक हैं। मनुष्य जीवन का विस्तार गृहस्थ आश्रम द्वारा होता है। सुखी गृहस्थ के लिए वेद कहता है— सबसे पहले प्रीति अनिवार्य है— गृहस्थ जीवन में सुख की प्राप्ति एवं दुखों की निवृत्ति के लिए अनिवार्य है सबसे प्रीति करें। एक दूसरे से सत्य बोलें। संयम रखें, विषय भोगों से दूर रहें, निंदा चुगली से दूर रहें, दूसरी बात गृहस्थी निर्भय रहे— दंपति गृहस्थ जीवन को भार ना समझें। घबराएं नहीं, बल पराक्रम से आगे बढ़ें, पुरुषार्थ करें। तीसरा सुखी गृहस्थ की प्रार्थना करें— अपने को सुखी बनाना और दूसरों को सुखी रखना दंपति का महत्वपूर्ण कार्य है दंपति रुके नहीं, चलते वाहन के सदृश्य गतिशील रहे। तेजस्वी बने। अपने बड़ों से शिक्षा ग्रहण करें। इन भावों के धारण करने पर सुख प्राप्त होता है, और दुख निवृत्त होते हैं। वेदों में पत्नी को गृह पत्नी या गृह स्वामिनी बताया गया है। वेद स्त्री को आदेश देते हैं कि उसकी दृष्टि में मृदुता हो कुटिलता नहीं। परिवार को सुख दे। वेद भक्त व आस्तिक हो। उसमें सौमनस्य हो। वह पति की हित— चिंतक हो। संयमी और तेजस्विनी हो। वेद कहता है कि गृहस्थ को सुखमय बनाने के लिए दंपति में आस्तिकता हो। वेद कहते हैं वे परमात्मा को सर्व व्यापक मानते हुए कार्य करें। ऐसा करने से मन प्रसन्न होगा तथा सभी दुर्गुण दूर होंगे। जीवन को कर्मठ बनाना, सत्य— भाषण, पारस्परिक सौहार्द, मृदुभाषी, संयमी तथा खुले हाथों से दान करना, कुछ नैतिक कर्तव्य दंपति के लिए बताए गए हैं। मुख्य अतिथि सुषमा बुद्धिराजा व अध्यक्ष आर्य नेत्री शशि चोपड़ा (कानपुर) ने गृहस्थ जीवन को सुखी बनाने का संदेश दिया। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने स्वामी इन्द्रवेश जी को आर्य युवाओं का आदर्श बताया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, वीणा वोहरा, सुदेश आर्या, रवीन्द्र गुप्ता, ओमप्रकाश अरोड़ा, दीप्ति सपरा, वेदिका आर्या ने भजन सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई, सुनीता आहूजा, शोभा सेतिया, सौरभ गुप्ता, चंद्रकांता आर्या, उर्मिला आर्या, आर पी सूरी आदि भी उपस्थित थे।



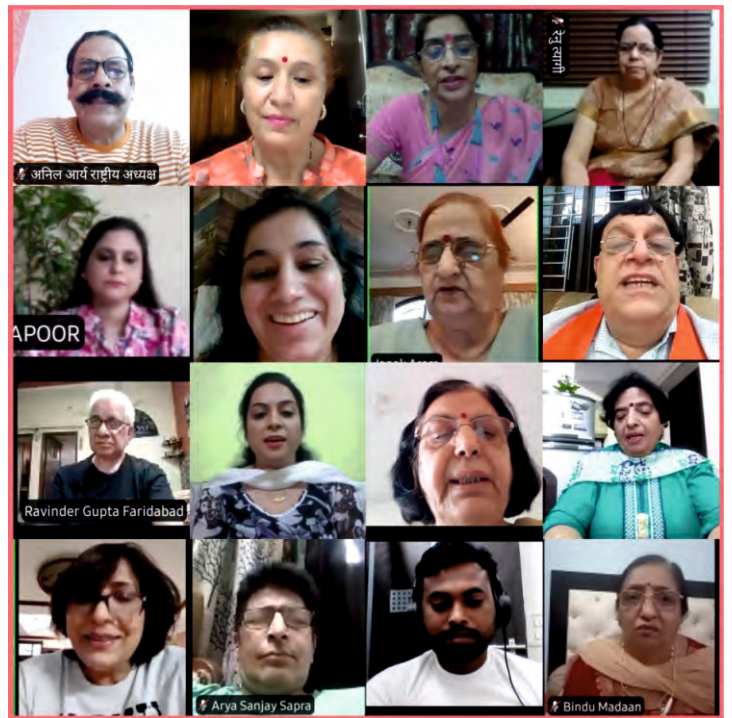
### (पृष्ठ 1 का शेष)

परिचित करवाना ही होगा, नोजवानो को बिस्मिल की फांसी से तीन दिन पहले लिखी आत्म कथा अवश्य पढ़नी चाहिए। डॉ जयेन्द्र आचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र की वर्तमान व भावी पीढ़ी को देश भक्त बनाने, स्वतंत्रता के महत्व को समझने तथा राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए यह आवश्यक है कि उन राष्ट्र भक्त शहीदों व क्रांतिकारियों का जीवन चरित्र शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए हंसते हंसते अपना जीवन बलिदान कर दिया। मुख्य अतिथि अंजू जावा ने सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आज के दौर में देश के युवाओं में बिस्मिल जैसे शहीदों का जीवन नयी ऊर्जा भरने का कार्य करेगा। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल एक महान् क्रांतिकारी, देशभक्त ही नहीं बल्कि एक उच्च कोटि के लेखक, कवि, शायर व साहित्यकार भी थे। इनकी लिखी हुई समस्त रचनाएँ बहुत ही जोशीली, क्रांतिकारी होती थीं देशभक्ति भावना से ओतप्रोत इस अमर बलिदानी का जन्म 11 जून सन् 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर जिले में हुआ था। सुप्रसिद्ध गायक नरेंद्र आर्य सुमन, दीप्ति सपरा, बिन्दु मदान, जनक अरोड़ा, आशा आर्या, रवीन्द्र गुप्ता, प्रतिभा कटारिया, मधु खेड़ा, विजय कपूर, प्रवीणा ठक्कर, राजकुमार भंडारी के ओजस्वी गीतों ने उत्साह पैदा किया। प्रमुख रूप से आर पी सूरी, सौरभ गुप्ता, महेन्द्र भाई, राजेश मंहदीरता, ईश आर्य (हिसार), डॉ कर्नल विपिन खेड़ा, प्रेम सचदेवा एवं वीणा वोहरा आदि उपस्थित रहे।

## थैलेसीमिया पर गोष्ठी सम्पन्न

रक्तदान व जागरूकता करके थैलीसीमिया से मुकाबला किया जा सकता है –डॉ. तेजिन्द्र सिंह  
भारत को थैलीसीमिया मुक्त बनाना है –अनिता रेलन

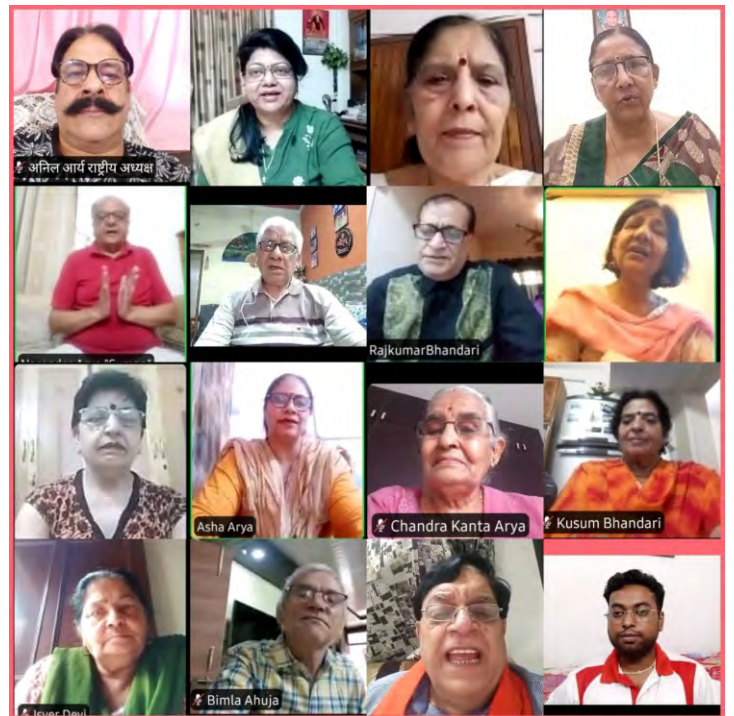
मंगलवार 1 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'थैलीसीमिया' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में परिषद का 228 वां वेबिनार था। रोटरी क्लब से डॉ. तेजिन्द्र सिंह ने कहा कि यह एक अनुवांशिक बीमारी है जिसका पता सबको नहीं होता, शरीर में रक्त की कमी व पूरा रक्त न बनने के कारण कुछ अवधि के बाद रक्त चढ़ाना होता है। सभी को यह चेकअप करवाते रहना चाहिए जिससे सही उपचार किया जा सके। इसका मुकाबला हम समाज में जागरूकता लाकर व रक्तदान करके कर सकते हैं। मुख्य अतिथि अनिता रेलन (प्रबंधक, केनरा बैंक) ने कहा अधिक से अधिक लोग रक्त का दान करेंगे तो जो व्यक्ति थैलासीमिया ग्रसित है उससे कम से कम जब तक जीवित है उसे रक्त की कमी नहीं होने दी जाएगी और यह ध्यान रखना है जैसा कि डॉक्टर तेजेंद्र ने कहा थैलासीमिया मेजर और माइनर के बारे में जरूर चेक कराना है कहते हैं ना जिस तरीके से पोलियो को भारत से जागरूकता अभियान चलाते हुए जड़ से खत्म कर दिया गया और जिस तरीके से बाहर के कई देशों में थैलासीमिया पर भी जागरूकता अभियान चलाए गए और थैलासीमिया को जड़ से खत्म कर दिया गया इसी तरीके से अगर भारत में भी अगर एक व्यक्ति को इस बीमारी के बारे में पता चलता है वे अपने जानकार पांच व्यक्तियों को यह 10 व्यक्तियों को भी अपने साथ जोड़ता है तो वह दिन दूर नहीं जहां हम यह कह सकेंगे कि भारत भी पोलियो की तरह आज थैलेसीमिया विमुक्त देश है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने भी कहा कि 18 से 55 वर्ष का हर व्यक्ति तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। अतः समाज सेवा के लिए सबको आगे आना चाहिए। उत्तर प्रदेश के प्रान्तीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने व कार्यक्रम अध्यक्ष रेणु त्यागी कहा कि सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए यह महादान है जो मनुष्य ही कर सकता है। गायिका प्रवीणा ठक्कर, बिंदु मदान, दीप्ती सपरा, निर्मल विरमानी, राजकुमार भंडारी, रवीन्द्र गुप्ता, ईश्वरदेवी, जनक अरोड़ा आदि ने मधुर भजन सुनाये। प्रमुख रूप से आचार्य महेन्द्र भाई, आनन्द प्रकाश आर्य,सौरभ गुप्ता, डॉ रीमा शर्मा,नेहा कपूर, संजय सपरा,राजेश मेहंदीरता, डॉ रचना चावला, कुसुम भंडारी आदि उपस्थित थे।



## संध्या से शान्ति की ओर गोष्ठी सम्पन्न

संध्या अशांति से शांति का मार्ग है –दर्शनाचार्य विमलेश बंसल

बुधवार, 9 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'संध्या से शांति की ओर' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 231 वां वेबिनार था। दर्शनाचार्य विमलेश बंसल ने ओजस्वी सरल ज्ञानमयी वाणी में कहा की सन्ध्या हमारे जीवन का आवश्यक एक ऐसा करणीय नैतिक कर्म है जो व्यक्ति को अशांति से शांति की ओर ले जाता है। आज के आपाधापी के युग में विशेषकर इस कोरोना जैसी विकट परिस्थितियों में जहाँ जहाँ त्राहि-त्राहि मची हो, सन्ध्या एक सम्बल प्रदान करती है तथा दुखी परेशान तनावग्रस्त व्यक्ति को मानसिक संतुलन प्रदान करती है। यँ तो सन्ध्या एक उत्तम नैतिक कर्म है ईश्वर का सम्यक ध्यान प्रत्येक व्यक्ति के लिए दोनों समय अनिवार्य है ही किन्तु सम्यकरूपेण अर्थ मनन चिंतन के साथ की गई सन्ध्या मंजिल तक पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ती। सन्ध्या से आत्मिक ज्ञान के आलोक में कुकर्मों, कुचेष्टाओं, पापवासनाओं से बचते हुए शुभ कर्मों, पुण्यकर्मों की प्रवृत्ति का उत्तरोत्तर विकास होता जाता है जो अंततः साधक के अपने लिए ही नहीं समाज, राष्ट्र के लिए भी हितकर सिद्ध होता है। मनुष्य के अपने कर्तव्य के साथ समाज व ईश्वर के प्रति क्या कर्तव्य हैं उसका बोध सन्ध्या में समाहित है। सन्ध्या से शारीरिक मानसिक और आत्मिक बल की प्राप्ति हो व्यक्ति महान बन उस महान को चारों ओर मनसापरिक्रमा कर निहार सकता है और ईश्वर प्रदत्त प्रतिक्षण प्राप्त सुखों को प्राप्त कर स्वस्थ लम्बा जीवन पा आनंदित हो सकता है। अतः सुख शांति आनंद के अभिलाषी जनों को दोनों समय ईश्वर का सम्यक ध्यान महर्षि दयानंद की निर्मित 'सन्ध्या विधि पद्धति' द्वारा चिंतन मनन पूर्वक अवश्य करना चाहिए, तभी जीवन संतुलित, मर्यादित एकाग्रचित्त स्वस्थ हो आनंदित हो सकता है। इससे बढ़िया अन्य कोई उपासना की पद्धति नहीं हो सकती। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संध्या परमात्मा से समीपता का सर्वोत्तम साधन है। मुख्य अतिथि वीना आर्या व अध्यक्ष अलका अग्रवाल (आर्य समाज हापुड़) ने भी संध्या को उपासना का सही मार्ग बताया। प्रवीण आर्य के कहा कि संध्या आनन्द का स्रोत है। गायिका डॉ अनुराधा आनन्द, नरेंद्र आर्य सुमन, रवीन्द्र गुप्ता, राजकुमार भंडारी, वीना वोहरा, आशा आर्या, ईश्वरदेवी, चंद्र कांता आर्या आदि ने भजन सुनाये। आर्य नेता आनन्द प्रकाश आर्य, वेद भगत, सौरभ गुप्ता, वीरेन्द्र आहूजा, कमलेश हसीजा, नीलम आर्या आदि उपस्थित थे।



### (पृष्ठ 1 का शेष)

परिषद इसे और अधिक गति से आगे बढ़ायेगी। उन्होंने कहा कि समाज के हर मुद्दे पर परिषद ने अहम भूमिका निभाई है। बहुकुण्डय यज्ञ, आर्य महासम्मेलन, राष्ट्रीय व सामाजिक मुद्दों पर धरने प्रदर्शन, युवा संस्कार अभियान, चरित्र निर्माण शिविर, गोष्ठियां, वेबिनार आदि मुख्य अंग हैं। इस अभियान को और अधिक चलाया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री आचार्य महेन्द्र भाई ने परिषद की उपलब्धियों की चर्चा की। आर्य नेता सत्यानन्द आर्य ने समाज व राष्ट्र के कार्यों की चर्चा करते हुए शुभकामनाएं दीं। गायिका उर्मिला आर्या, अंकित उपाध्याय, प्रवीण आर्या, दीप्ती सपरा, सौरभ गुप्ता ने भजन प्रस्तुत किये। प्रमुख रूप से आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, प्रवीणा ठक्कर (मुम्बई), आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़), प्रवीण आर्य (गाजियाबाद), यशोवीर आर्य, गोबिंदसिंह भंडारी (बागेश्वर), सत्यभूषण आर्य (जिला व सत्र न्यायाधीश समस्तीपुर, अजेय सहगल (सी ई ओ, धर्मशाला कैंट), सुभाष बब्बर (जम्मू), वेदव्रत बेहरा (उड़ीसा), रामानन्द आर्य (पटना), कृष्ण प्रसाद कौटिल्य (हजारीबाग), भानुप्रताप वेदालंकार (इंदौर), ईश आर्य (हिसार), स्वतंत्र कुकरेजा (करनाल), हरिचंद स्नेही (सोनीपत), शंकर देव आर्य (खण्डवा), मनु सिंह (देहरादून), दुर्गेश आर्य, रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़), शैलेन्द्र कुमार (मुजफ्फरपुर), आर्य, सुरेन्द्र शास्त्री, नरेंद्र आर्य सुमन, ओम सपरा, डॉ सुषमा आर्या आदि ने भी अपने विचार रखे।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर यज्ञ व पौधे लगाये

शाकाहार को बढ़ावा देने से पर्यावरण स्वच्छ होगा—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

शनिवार 5 जून 2021, आज विश्व भर में पर्यावरण दिवस लोगो ने अपने अपने ढंग से मनाया और पर्यावरण की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के कार्यकर्ताओं ने भी यज्ञ करके व पौधे लगाकर पर्यावरण शुद्ध रखने का संदेश दिया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस प्रकृति को शुद्ध व पवित्र रखने का संदेश व संकल्प लेने का दिन है। यज्ञ द्वारा पर्यावरण को हम शुद्ध करते हैं साथ ही पेड़ पौधे लगाकर भी वायुमंडल शुद्ध करते हैं। बढ़ता हुआ प्रदूषण मानव जाति के लिए खतरा बनता जा रहा है जो चिंता का विषय है। वायु, जल, भूमंडल अशुद्ध होते जा रहे हैं आने वाली पीढ़ियों को हम क्या देकर जायेंगे यह विचारणीय है। मांसाहार व जीव हत्या से भयंकर प्रदूषण बढ़ता है हम शाकाहार को अपना कर शुद्धिकरण में सहायक बन सकते हैं। परिषद के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने भी यज्ञीय भावना से ओतप्रोत जीवन बनाने पर जोर दिया और कहा परोपकारी होने पर ही मानव का कल्याण संभव है। ऋषि दयानन्द ने आर्य समाज के नियम में लिखा है कि संसार का उपकार करना आर्य समाज का मुख्य उद्देश्य है। आचार्य महेन्द्र भाई, सौरभ गुप्ता, उर्मिला आर्य, देवेन्द्र भगत, प्रवीण आर्या, आस्था आर्या ने भी पर्यावरण स्वच्छ रखने का आह्वान किया।



## जंक फूड पर गोष्ठी सम्पन्न

घर के आहार से कई बीमारियों से बचाव सम्भव—प्रो. करुणा चांदना

शनिवार 5 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'जंक फूड की उपयोगिता' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया। यह कॅरोना काल में 230 वा वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि घर के बने उत्पाद उपयोग करने से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। देश के युवाओं को जंक फूड सोच समझकर भोजन में सम्मिलित करना चाहिए। उन्होंने जंक फूड के सेहत पर प्रतिकूल प्रभावों पर प्रकाश डाला तथा अत्यधिक मात्रा में इसे अपने जीवन शैली में सम्मिलित ना करने के लिए युवाओं को भोजन की सही मात्रा तथा सही प्रकार से पके हुए भोजन को ग्रहण करने की दिशा में जानकारी के साथ-साथ उन्हें एक अच्छा जीवन शैली व्यतीत करने एवं स्वस्थ रहने के प्रति भी जागरूक किया गया। जैसा कि सभी जानते हैं जंक फूड अत्यधिक तापमान पर तले हुए भोजन को कहा जाता है अतः इस प्रकार बने भोजन में कई प्रकार के ट्रांस फैट पाए जाते हैं जो कि मानव पाचन तंत्र के लिए पचने में सरल नहीं होते अतः उनका अत्यधिक मात्रा में सेवन लिवर तथा पेट पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है इसलिए इनका सोच समझकर कम से कम मात्रा में सेवन ही और यदि संभव हो तो सेवन ना करना ही स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होता है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने भी जंक फूड से बचने व घरेलू खाद्य पदार्थों को अपनाने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि हमें घर का शुद्ध व पवित्र भोजन अपनाना चाहिए। इससे घर परिवार में प्रेम प्यार का वातावरण भी रहेगा। मुख्य अतिथि उर्मिला आर्या व अध्यक्ष अंजना गुप्ता ने भी घर में ही नए नए पकवान बनाने पर जोर दिया। प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने भी कहा कि इससे स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। गायिका संगीता आर्या, पुष्पा चुघ, आशा आर्या, रवीन्द्र गुप्ता, विजय लक्ष्मी, जनक अरोड़ा, ईश्वरदेवी, मधु बेदी, उर्मिला आर्या, दीप्ति सपरा आदि ने भी मधुर भजन सुनाये। आचार्य महेन्द्र भाई, आनन्द प्रकाश आर्य, सौरभ गुप्ता, देवेन्द्र भगत, राजेश मेहंदीरत्ता, ललित चौधरी, ईश आर्य आदि भी उपस्थित थे।



## सगन व विवाह के गीतों ने किया कॅरोना तनाव मुक्त

संगीत उत्साह व प्रसन्नता का संचार करता है—राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 13 जून 2021, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद ने कॅरोना काल में मनोरंजन के लिए 'गीतरू सगन-विवाह' का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें तीन घंटे तक विवाह के लोकगीत व पंजाबी गिद्दे प्रस्तुत किये गए। यह कॅरोना काल में 234 वा वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ढोलक की थाप और संगीत मुर्दा व्यक्ति में भी नए रक्त व उत्साह का संचार कर देता है। कॅरोना काल के तनावपूर्ण वातावरण में संगीत सर्वोत्तम साधन है। खुश व प्रसंचित रहने से रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है हम 234 वेबिनार कर ज्ञान और खुशियां बांटते हैं। सुप्रसिद्ध गायक नरेन्द्र आर्य सुमन ने डोली सज के दुल्हन ससुराल चली और प्रवीण आर्या ने प्लठ्ठे दी चादर और बाजरे दा सिद्धा पंजाबी गीत सुनाये। संगीता आर्या ने छड़या दी जून बुरी आदि गीतों से सांस बांध दिया। इसके साथ ही सुदेश आर्या, दीप्ति सपरा, नरेश खन्ना, वीना वोहरा, निताशा कुमार, प्रतिभा सपरा, विमला व वीरेन्द्र आहूजा आदि ने शादी का माहौल बना दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मधु बेदी व अध्यक्षता करते हुए उषा आहूजा ने अपनी सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। आचार्य महेन्द्र भाई, वीना आर्या, सौरभ गुप्ता, जनक अरोड़ा, राजश्री यादव, ओमप्रकाश अरोड़ा, उर्मिला आर्या आदि उपस्थित थे।



कृपया अपनी प्रिय पत्रिका "युवा उद्घोष" को नियमित बनाये रखने के लिये केवल 100/- रु का सहयोग "युवा उद्घोष, A/NO. 20024363377, IFSCCode. MAHB0000901, बैंक आफ महाराष्ट्र, डा. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009 पर आनलाईन भेजें।